

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति
Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

*Amoḡha Stuti: The First Divine Declaration of Lord Rāma as the
Supreme Brahman*

Author: प्रणव कुमार झा

Pranava Kumar Jha

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति
Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

ॐ Section 2: प्रस्तावना (Preface)

यह ग्रंथ *अमोघ स्तुति* — ब्रह्मकृतरामस्तवः — का भावनात्मक, दार्शनिक एवं भाषिक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। जब भगवान राम की मानुषी लीला पूर्णता को प्राप्त होती है, तब यह स्तुति ब्रह्मा द्वारा की जाती है — न केवल भक्ति के भाव से, बल्कि परम सत्य की उद्घोषणा के रूप में।

इस स्तुति का केंद्रीय अर्थ यह है कि भगवान राम केवल एक महापुरुष नहीं, बल्कि स्वयं परात्पर ब्रह्म हैं — सगुण-साकार में प्रकट अपरोक्ष ब्रह्म। वाल्मीकि रामायण के युद्धकाण्ड में इसका उल्लेख अद्वितीय है, जहाँ समस्त देवगणों की उपस्थिति में यह उद्घाटन होता है।

यह ग्रंथ न केवल हर श्लोक का हिन्दी और अंग्रेज़ी अर्थ देता है, बल्कि उसकी आंतरिक भक्ति और तात्त्विक शक्ति को भी प्रकट करता है। यह रचना *राम रहस्य दर्शन* के गंभीर साधकों के लिए एक अमोघ साधन के रूप में प्रस्तुत की गई है।

This offering is a devotional and philosophical unfolding of the *Amōgha Stuti* — the Brahmakṛta Śrīrāma Stavaḥ — in which Lord Rāma's true identity as the Supreme Brahman is revealed by Brahmā himself. It is not merely a song of praise, but a cosmic proclamation of Rāma as *the Absolute Truth manifest in divine form*.

Found within the *Yuddha Kāṇḍa* of the Vālmiki Rāmāyaṇa, this stuti is recited in the presence of all celestial beings — a moment of divine convergence that unveils the heart of *Rāma-Rahasya Darśana*.

The verses are accompanied by Hindi and English meanings, with reverence to both lyrical grace and esoteric depth. May this sacred compilation serve seekers on their journey toward inner realization and devotional immersion.

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

📖 Section १: आरंभ – देवताओं का आगमन

श्लोक १

ततो हि दुर्मना रामः श्रुत्वैव वदतां गिरः। दध्यौ मुहूर्तं धर्मात्मा बाष्पव्याकुललोचनः॥

हिंदी अर्थ: तब धर्मात्मा श्रीराम, उन लोगों की बातें सुनकर अत्यंत दुखी हो गए। उनकी आंखें आँसुओं से भर आईं और वे एक क्षण मौन होकर ध्यानमग्न हो गए।

English Meaning: Then, the righteous Rāma, upon hearing those words, became deeply sorrowful. With tearful eyes, He entered a moment of silent reflection.

श्लोक २

ततो वैश्रवणो राजा यमश्चामित्रकर्शनः। सहस्राक्षो महेन्द्रश्च वरुणश्च परन्तपः॥

हिंदी अर्थ: उस समय, कुबेर, शत्रुओं का नाश करने वाले यमराज, सहस्रनेत्रधारी इन्द्र और पापों को नष्ट करने वाले वरुणदेव वहाँ उपस्थित हुए।

English Meaning: Thereafter, King Vaiśravaṇa (Kubera), Yama the destroyer of foes, mighty Indra with a thousand eyes, and the punisher of evil, Varuṇa—all assembled.

श्लोक ३

षडर्धनयनः श्रीमान् महादेवो वृषध्वजः। कर्ता सर्वस्य लोकस्य ब्रह्मा ब्रह्मविदां वरः॥

हिंदी अर्थ: तीन नेत्रों वाले, वृष वाहनधारी शिवजी और सृष्टिकर्ता ब्रह्मा, जो ब्रह्मज्ञानियों में श्रेष्ठ हैं, वे सभी वहाँ आए।

English Meaning: The glorious Mahādeva, with his three eyes and bull-banner, and Brahmā, the supreme knower of Brahman and creator of all worlds—both arrived as well.

श्लोक ४

एते सर्वे समागम्य विमानैः सूर्यसन्निभैः। आगम्य नगरीं लङ्कामभिजग्मुश्च राघवम्॥

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

हिंदी अर्थ: ये सभी देवता सूर्य के समान प्रकाशमान विमानों में सवार होकर लंका नगरी पहुंचे और श्रीराम के पास गए।

English Meaning: All these deities, arriving in brilliant aerial chariots resembling the Sun, entered the city of Lankā and approached Rāghava (Śrī Rāma).

श्लोक ५

ततः सहस्ताभरणान् प्रगृह्य विपुलान् भुजान्। अब्रुवन्स्त्रिदशश्रेष्ठा राघवं प्राञ्जलिं स्थितम् ॥

हिंदी अर्थ: तब देवगण, विशाल भुजाओं और हजारों आभूषणों से सुसज्जित होकर, हाथ जोड़कर श्रीराम से निवेदन करने लगे।

English Meaning: Then the best among the gods, adorned with countless ornaments and mighty arms, stood before Rāghava with folded hands and spoke.

📖 Section २: राम की मानवता और ब्रह्मा का उद्घोष

श्लोक ६

कर्ता सर्वस्य लोकस्य श्रेष्ठो ज्ञानवतां प्रभुः। उपेक्षसे कथं सीतां पतन्तीं हव्यवाहने ॥

हिंदी अर्थ: हे सभी लोकों के सृष्टिकर्ता, ज्ञानियों में श्रेष्ठ प्रभु! आप कैसे सीता को अग्नि में गिरते हुए उपेक्षित कर सकते हैं?

English Meaning: O Creator of all worlds, Supreme among the wise! How can You neglect Sitā as she falls into the sacred fire?

श्लोक ७

कथं देवगणश्रेष्ठमात्मानं नावबुध्यसे। ऋतधामा वसुः पूर्व वसूनां त्वं प्रजापतिः ॥

हिंदी अर्थ: हे देवों में श्रेष्ठ! आप स्वयं को क्यों नहीं पहचानते? आप ऋतधारी, पहले वसु, और वसुओं के भी प्रजापति हैं।

English Meaning: O foremost among the gods! Why do You not recognize Yourself? You are the Truth-abiding, ancient Vasu, and the progenitor of all Vasus.

श्लोक ८

त्वं त्रयाणां हि लोकानामादिकर्ता स्वयंप्रभुः। रुद्राणामष्टमो रुद्रः साध्यानामपि पञ्चमः ॥

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

हिंदी अर्थ: आप तीनों लोकों के आदिकर्ता, स्वप्रकाश स्वरूप परमात्मा हैं। आप आठवें रुद्र तथा साध्य देवताओं में पांचवें स्थान पर हैं।

English Meaning: You are the prime creator of all three worlds, Self-luminous and eternal. You are the eighth among the Rudras and the fifth among the celestial Sādhyas.

श्लोक ९

अश्विनौ चापि ते कर्णौ चन्द्रसूर्यौ च चक्षुषी। अन्ते चादौ च लोकानां दृश्यसे त्वं परन्तप ॥

हिंदी अर्थ: आपके कान अश्विनीकुमार हैं, आंखें चंद्रमा और सूर्य हैं। आप सभी लोकों के आदि और अंत में दिखाई देने वाले महान तेजस्वी हैं।

English Meaning: The Ashvins are Your ears; the Moon and the Sun, Your eyes. You, the blazing one, are perceived at both the beginning and end of all worlds.

श्लोक १०

उपेक्षसे च वैदेहीं मानुषः प्राकृतो यथा। इत्युक्तो लोकपालैस्तैः स्वामी लोकस्य राघवः ॥

हिंदी अर्थ: लोकपालों ने कहा—हे लोकस्वामी राघव! आप सीता को जैसे एक सामान्य मनुष्य हो, वैसा व्यवहार करते हुए उपेक्षित कर रहे हैं।

English Meaning: The protectors of the worlds said—O Lord of the Universe, Rāghava! You treat Sitā like an ordinary mortal, as if unaware of Your own divinity.

श्लोक ११

अब्रवीत् त्रिदशश्रेष्ठान् रामो धर्मभृतां वरः। आत्मानं मानुषं मन्ये रामं दशरथात्मजम् ॥

हिंदी अर्थ: धर्म में श्रेष्ठ श्रीराम ने उन देवश्रेष्ठों से कहा — “मैं स्वयं को एक साधारण मनुष्य मानता हूँ, दशरथ का पुत्र राम।”

English Meaning: The righteous Śrī Rāma said to the best of the gods: “I consider myself merely a human, Rāma, the son of King Daśaratha.”

श्लोक १२

योऽहं यस्य यतश्चाहं भगवान् ब्रवीतु मे। इति ब्रुवाणं काकुत्स्थं ब्रह्मा लोकपितामहः ॥

हिंदी अर्थ: “मैं कौन हूँ, किसके द्वारा उत्पन्न हुआ हूँ, और क्या हूँ — यह भगवन् बताएं।” ऐसा कहने वाले श्रीराम से ब्रह्मा जी, लोकों के पितामह, बोले।

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

English Meaning: “Who am I, whose am I, and for what purpose do I exist—may the Lord declare it to me.” Thus said Rāma, and Brahmā, the grandsire of the worlds, responded.

श्लोक १३

अब्रवीच्छृणु मे राम सत्यं सत्यपराक्रम। भवान्नारायणो देवः श्रीमांश्चक्रधरो हरिः ॥

हिंदी अर्थ: ब्रह्मा ने कहा—“हे सत्यवीर्य श्रीराम! सुनो, आप ही देवता नारायण हैं। आप ही धन-वैभवयुक्त, चक्रधारी भगवान हरि हैं।”

English Meaning: Brahmā said: “Listen, O Rāma, embodiment of truth and valor. You are Nārāyaṇa Himself—the glorious, discus-bearing Lord Hari.”

श्लोक १४

एकशृङ्गो वराहस्त्वं भूतभव्यसपत्नजित्। अक्षरं ब्रह्म सत्त्वं त्वं सत्यं च त्वं मध्येऽन्ते च राघव ॥

हिंदी अर्थ: आप वराह रूपधारी, भूत-भविष्य-वर्तमान को जीतने वाले, अक्षर ब्रह्म तथा शुद्ध सत्त्व और सत्यस्वरूप हैं, हे राघव!

English Meaning: You are the one-tusked Boar incarnation, the conqueror of past and future enemies. You are the imperishable Brahman, pure Being and eternal Truth—O Rāghava!

श्लोक १५

लोकानां त्वं परो धर्मो विष्वक्सेनश्चतुर्भुजः। शार्ङ्गधन्वा हृषीकेशः पुरुषः पुरुषोत्तमः ॥

हिंदी अर्थ: आप सभी लोकों के परमोच्च धर्म हैं। आप ही चतुर्भुज विष्वक्सेन, शार्ङ्गधनुषधारी हृषीकेश, पुरुष और परम पुरुषोत्तम हैं।

English Meaning: You are the Supreme Dharma of all worlds. You are Viṣvaksena with four arms, wielder of the Śārṅga bow, Hṛṣīkeśa—the Supreme Person and Puruṣottama.

📖 Section ३: परब्रह्म राम की पुष्टि

श्लोक १६

अजितः खड्गभृद्विष्णुः कृष्णश्चैव बृहद्वलः। सेनानीग्रामिणीश्च त्वं त्वं बुद्धिस्त्वं क्षमा दया ॥

हिंदी अर्थ: आप अजेय हैं, खड्गधारी विष्णु, कृष्ण और महान बलशाली हैं। आप ही सेनापति, ग्रामों के स्वामी, बुद्धि, क्षमा और करुणा के स्वरूप हैं।

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

English Meaning: You are the unconquerable, the sword-bearing Viṣṇu, Kṛṣṇa, and the mighty One. You are the commander of armies, the lord of people, the very essence of wisdom, forgiveness, and compassion.

श्लोक १७

प्रभवश्चाप्ययश्च त्वमुपेन्द्रो मधुसूदनः । इन्द्रकर्मा महेन्द्रस्त्वं पद्मनाभो रथाङ्गभृत् ॥

हिंदी अर्थ: आप उत्पत्ति और प्रलय दोनों के स्वामी हैं। आप उपेन्द्र (वामन), मधुसूदन, इन्द्रकर्मा, महेन्द्र, कमलनाभ और चक्रधारी हैं।

English Meaning: You are both the source and dissolution of all. You are Upendra (Vāmana), the slayer of Madhu, the performer of Indra's deeds, Mahendra, Padmanābha, and bearer of the divine discus.

श्लोक १८

शरण्यं शरणं च त्वामाहुर्दिव्या महर्षयः । सहस्रशृङ्गो वेदात्मा शतजिह्वो महर्षभः ॥

हिंदी अर्थ: दिव्य महर्षि आपको शरण्य और शरणस्थान कहते हैं। आप सहस्रशृंग, वेदस्वरूप, शतजिह्वा तथा महान ऋषभ हैं।

English Meaning: Divine sages proclaim You as the ultimate refuge and shelter. You are the one with a thousand horns, the embodiment of the Vedas, hundred-tongued, and the supreme seer.

श्लोक १९

त्वं त्रयाणां हि लोकानामादिकर्ता स्वयंप्रभुः । सिद्धानामपि साध्यानामाश्रयश्चासि पूर्वजः ॥

हिंदी अर्थ: आप तीनों लोकों के आदिकर्ता और स्वयंप्रकाश आत्मा हैं। सिद्धों और साध्य देवताओं के भी आप आधार और पूर्वज हैं।

English Meaning: You are the original creator of the three worlds, the self-effulgent one. Even the Siddhas and Sādhyas depend upon You—you are their eternal origin.

श्लोक २०

त्वं यज्ञस्त्वं वषट्कारस्त्वमोङ्कारः परन्तप । प्रभवं निधनं वा ते न विदुः को भवानिति ॥

हिंदी अर्थ: हे तेजस्वी! आप ही यज्ञ हैं, वषट्कार हैं, और ओंकार हैं। आपके प्रारंभ और अंत को कोई नहीं जानता—आप कौन हैं, यह भी कोई नहीं जानता।

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

English Meaning: O radiant one! You are the sacrifice, the sacred invocation (vaṣaṭ), and the primordial syllable "Om." None truly know Your beginning or end—none truly know who You are.

श्लोक २१

दृश्यसे सर्वभूतेषु ब्राह्मणेषु च गोषु च । दिक्षु सर्वासु गगने पर्वतेषु वनेषु च ॥

हिंदी अर्थ: आप सभी प्राणियों में, ब्राह्मणों में, गायों में, समस्त दिशाओं में, आकाश में, पर्वतों और वनों में दिखाई देते हैं।

English Meaning: You are perceived in all living beings, in the brāhmaṇas, in cows, in every direction, in the skies, upon mountains, and within forests.

श्लोक २२

सहस्रचरणः श्रीमान् शतशीर्षः सहस्रदृक् । त्वं धारयसि भूतानि वसुधां च सपर्वताम् ॥

हिंदी अर्थ: आप सहस्र चरणों, शतशीर्षों और सहस्र नेत्रों वाले हैं। आप समस्त प्राणियों तथा पर्वतों सहित पृथ्वी को धारण करने वाले हैं।

English Meaning: With a thousand feet, a hundred heads, and a thousand eyes, You bear the entire creation—including the Earth with all her mountains.

श्लोक २३

अन्ते पृथिव्याः सलिले दृश्यसे त्वं महोरगैः । त्रीन् लोकान् धारयन् राम देवगन्धर्वदानवान् ॥

हिंदी अर्थ: पृथ्वी के अंत में, जल के भीतर, आप महान सर्पों के साथ देखे जाते हैं—तीनों लोकों, देवों, गन्धर्वों और दानवों को धारण करते हुए।

English Meaning: At the Earth's end, within the waters, You dwell among mighty serpents, upholding the three worlds and all their gods, gandharvas, and demons.

श्लोक २४

अहं ते हृदयं राम जिह्वा देवी सरस्वती । देवा गात्रेषु रोमाणि निर्मिता ब्रह्मणा प्रभो ॥

हिंदी अर्थ: हे प्रभु राम! मैं (ब्रह्मा) आपका हृदय हूँ, आपकी जिह्वा देवी सरस्वती हैं, और आपकी देह के रोम-रोम में देवता निवास करते हैं, जिन्हें मैंने ही रचा है।

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

English Meaning: O Lord Rāma! I am Your heart, Sarasvatī is Your tongue, and the gods created by me (Brahmā) are embedded in the very pores of Your divine body.

श्लोक २५

निमेषस्तेऽभवद्रात्रिरुन्मेषस्तेऽभवद्दिवा। संस्कारास्तेऽभवन् वेदा न तदस्ति त्वया विना ॥

हिंदी अर्थ: आपकी पलक झपकना ही रात्रि है, और पलक खुलना ही दिन। वेद आपके संस्कार हैं—आपके बिना कुछ भी अस्तित्व में नहीं है।

English Meaning: Your blink becomes the night, and your opening gaze becomes the day. The Vedas are Your very impressions—nothing exists apart from You.

Section ४: अमोघ घोषणा और मोक्ष सिद्धि

श्लोक २६

जगत्सर्वं शरीरं ते स्थैर्यं ते वसुधातलम्। अग्निः कोपः प्रसादस्ते सोमः श्रीवत्सलक्षणम् ॥

हिंदी अर्थ: यह संपूर्ण जगत आपका ही शरीर है। पृथ्वी आपकी स्थिरता है। अग्नि आपका क्रोध है, और सोम (चंद्रमा) आपका प्रसाद—आपका हृदय श्रीवत्स चिन्ह से चिह्नित है।

English Meaning: The entire universe is Your body; Earth represents Your steadiness. Fire embodies Your wrath, and Soma (the Moon) Your grace. The sacred Śrīvatsa adorns Your heart.

श्लोक २७

त्वया लोकाः समाक्रान्ताः पुराणे विक्रमैस्त्रिभिः। महेन्द्रश्च कृतो राजा बलिं बद्ध्वा महासुरम् ॥

हिंदी अर्थ: आपने तीन पौराणिक अवतारों द्वारा सभी लोकों को रक्षित किया। बलवान असुर बली को बाँधकर आपने इन्द्र को पुनः राजा बना दिया।

English Meaning: By Your three ancient strides, You safeguarded the worlds. Binding the mighty demon Bali, You reinstated Mahendra (Indra) as king.

श्लोक २८

सीता लक्ष्मीर्भवान् विष्णुर्देवः कृष्णः प्रजापतिः। वधार्थं रावणस्येह प्रविष्टो मानुषीं तनुम् ॥

हिंदी अर्थ: सीता लक्ष्मी हैं, आप स्वयं भगवान् विष्णु हैं—कृष्ण, प्रजापति। रावण के वध हेतु आपने इस संसार में मानव रूप धारण किया।

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

English Meaning: Sītā is Lakṣmī, and You are Lord Viṣṇu Himself—Kṛṣṇa and the Lord of beings. To destroy Rāvaṇa, You have taken on this human form.

श्लोक २९

तदिदं नः कृतं कार्यं त्वया धर्मभृतां वर। निहतो रावणो राम प्रविष्टो दिवमाक्रम ॥

हिंदी अर्थ: हे धर्म के पालक राम! आपने वह कार्य पूर्ण कर दिया जो हमारे लिए आवश्यक था। अब जब रावण मारा गया है, तो आप दिव्य लोक में प्रवेश करें।

English Meaning: O protector of dharma, Rāma! You have fulfilled the divine task entrusted to You. Now that Rāvaṇa is slain—return joyfully to the heavenly realm.

श्लोक ३०

अमोघं बलवीर्यं ते न ते मोघः पराक्रमः। अमोघं दर्शनं राम न च मोघस्तव स्तवः ॥

हिंदी अर्थ: हे राम! आपका बल और पराक्रम अमोघ (अचूक) है। आपका दर्शन भी अमोघ है, और आपकी स्तुति कभी निष्फल नहीं होती।

English Meaning: O Rāma! Your strength and valor are unfailing. A mere vision of You is ever fruitful, and so too is every hymn sung in Your praise.

श्लोक ३१

अमोघास्ते भविष्यन्ति भक्तिमन्तस्तु ये जनाः। ये त्वां देव ध्रुवं प्राप्ताः पुराणपुरुषोत्तमम् ॥

हिंदी अर्थ: जो लोग भक्ति से पूर्ण होकर आपको प्राप्त करते हैं—वे अमोघ हो जाते हैं। आप ही सनातन, परम पुरुष हैं।

English Meaning: Those who attain You with unwavering devotion will never fail. You are the eternal, Supreme Being of the ancient Vedas.

श्लोक ३२

प्राप्नुवन्ति सदा कामानिह लोके परत्र च। इममार्षं स्तवं नित्यमितिहासं पुरातनम्। ये नराः कीर्तयिष्यन्ति नास्ति तेषां पराभवः ॥

हिंदी अर्थ: जो मनुष्य इस पुरातन इतिहासरूप स्तोत्र को नित्य श्रद्धा से गाते हैं, वे इस लोक और परलोक में सभी इच्छाओं को प्राप्त करते हैं और उन्हें कभी पराजय नहीं मिलती।

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा

English Meaning: Those who recite this ancient, sacred hymn daily shall fulfill all their desires in this world and the next—they shall never be defeated.

Section ५: निष्कर्ष और साधना-संकेत

◆ निष्कर्ष (Summary Insight):

अमोघ स्तुति केवल एक भक्ति स्तवन नहीं, बल्कि राम के ब्रह्मस्वरूप की प्रत्यक्ष उद्घोषणा है। इसमें सृष्टि, ब्रह्मा, देवगण, और स्वयं भगवान राम — सब मिलकर एक अलौकिक सत्य को पुष्ट करते हैं: **राम न केवल लीला पुरुषोत्तम हैं, वे परब्रह्म की साक्षात् मूर्ति हैं।**

इस स्तुति में वह परम क्षण है जब स्वयं प्रभु कहते हैं—“मैं कौन हूँ, मुझे बताओ,” और ब्रह्मा उत्तर देते हैं—“भवान् नारायणो देवः... अक्षरं ब्रह्म...”। यह संवाद सभी साधकों के लिए ब्रह्मोपलब्धि का द्वार खोलता है।

> ॐ > **"समस्त धर्मग्रंथों में भगवान की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति — राम रहस्य दर्शन की यात्रा में मील का पत्थर"** > — अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः)

◆ साधना-संकेत (Meditative Takeaway):

यह स्तुति हमें यह अनुभव कराती है कि **राम का स्मरण ही ब्रह्म का साक्षात्कार है।** प्रत्येक श्लोक, एक मंत्र की भाँति, आत्मा को उस परम तत्त्व की ओर ले जाता है जहाँ भक्त और ब्रह्म में कोई भेद नहीं रहता।

> "अमोघास्ते भविष्यन्ति भक्तिमन्तस्तु ये जनाः।" > (Those full of devotion unto You, O Rāma, shall never fail—each will become fruitful and whole.)

अमोघ स्तुति (ब्रह्मकृतरामस्तवः) परम ब्रह्म राम की प्रथम प्रत्यक्ष स्तुति

Author: प्रणव कुमार झा